__/__/____

Tender Heart School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date- Class - VI
Subject - Hindi Literature Page - 1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग भाग-6
पाठ- 11 'गाय की चोरी'
लेखक - कमलेश्वर

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ कक्षा छठी की हिन्दी साहित्य का है। यह पाठ आपको 8 नवंबर, 2021 को भेजा जाएगा। बच्चो! आज हम इस पाठ में 'गाय की चोरी' का अगला भाग पढ़ेंगे।

पाठ के पिछले भाग में हमने पढ़ा था कि मुंशी प्यारेलाल को चाय हाँकने की आदत थी। हमने पढ़ा था कैसे जब बूढ़ी अम्मा की गाय गुम हो जाती है तो वह आगे आकर उसके बारे में बात करते हैं। परन्तु जब पुलिस आकर उनसे पूछताछ करती है, तब वह घबरा जाते हैं और सभी से आँखें चुराने लगते हैं। बच्चो! अब हम आगे पाठ समझेंगे

जब पुलिस मुंशी जी से पूछताछ करती है, तब वह अपने आपको बचाते हुए कहते हैं कि मैंने रात में एक डरावना सपना देखा था। जिस कारण मैं तो घर के अंदर जाकर सो गया था। वह अपने आपको बचाते हुए दिखाई देते हैं। तभी पुलिस किसी और से पूछताछ शुरू कर लेती है। मुंशी जी सारा दिन अपने आपको हारा हुआ महसूस करते हैं। सारा दिन उस समय का

Scanned with CamScanner

Date-　　　　　　　　　　　　Class - VI
Subject- Hindi Literature　　　　Page-2
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

इंतज़ार कर रहे थे, जब कोई ऐसा मिल जाता जिसको दिल का सारा दर्द सुना सकते। अंत में डॉक्टर साहब मिले तो सही, पर उन्होंने यह सुना दिया कि मुंशी जी आपको ऐसा नहीं करना चाहिए था। डॉक्टर साहब के यह शब्द मुंशी जी को अंदर ही अंदर परेशान कर रहे थे कि अचानक उन्हें मुनसरिम साहब के घर से आवाज़ सुनाई देती है कि दूध के लिए मेरे पास पैसे नहीं हैं, यदि कोई उधार देता है तो ले लो। पैसे पेंशन आने पर मिलेंगे। बच्चो! असल में मुनसरिम साहब के घर दूध बूढ़ी अम्मा के यहाँ से आता था। अब अम्मा की गाय चोरी हो गई थी। इसलिए दूध न मिलने के कारण बच्चे रो रहे थे।

यह देखकर मुंशी जी से रहा न गया और वह सुबह ही कहीं चले गए। वह कहाँ गए थे, कितने दिनों तक इस बारे में किसी को कुछ पता नहीं था। फिर एक दिन पता चलता है कि वह नगाला में किसी के घर मुकदमे का फैसला करने गए थे। शायद उन्हें चोरी की गई गाय का सुराग लग गया था। अगले ही दिन मुंशी जी बूढ़ी अम्मा की गाय लिए बड़े ठाठ से चले आ रहे थे।

जैसे ही मुंशी जी गाय को लेकर आते हैं, तो सारे लोग उन्हें ही देखे जा रहे थे। बूढ़ी अम्मा तो अपनी गाय को देखकर फूले न समा रही थी। मुंशी जी भी लोगों को बड़े शान से अपनी

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date- Class- VI
Subject- Hindi Literature Page- 3
Subject Teacher – Ms. Roma Rani

वीरता की कहानी सुना रहे थे। उन्होंने कैसे राक्षस, डकैतों से लड़कर गाय को छुड़ाया है। उन्होंने बताया कि वहाँ लाठियाँ चल गई थीं गाय को छुड़ाने के चक्कर में, जो कि उनकी बाँहों की सूजन से स्पष्ट दिखाई दे रहा था। इस प्रकार बच्चो आज हमने यह पाठ 'गाय की चोरी' खत्म कर लिया है। यह एक बहुत ही अच्छी कहानी है। जिससे हमें सहानुभूति, आत्मसम्मान की रक्षा और साहस की शिक्षा मिलती है।

सहकार्य

- बच्चो! आप इस पाठ के पृष्ठ- १० पर आए पाठ बोध के संक्षेप में और विस्तार में के प्रश्न करने की कोशिश करेंगे।
- विद्यार्थी यह कार्य अपनी हिन्दी साहित्य की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।
- आपको इस कार्य की उत्तर पत्रिका वीरवार को भेजी जाएगी।

धन्यवाद!

Last page.

Scanned with CamScanner